



केंद्रीय गृहमंत्री  
अमित शाह बोले  
लालू एंड कंपनी  
सता में आयी तो  
बनाएगी घुसपैठ  
घुसाओ बोर्ड - 12



केंद्रीय वित्त मंत्री  
निर्मला सीतारमण  
ने कहा देश को  
वैरिक स्तर के  
बैंकों की ज़रूरत  
- 12



हमने अपनी  
संप्रभुता का एक  
दिल्ला खो दिया...  
ममदानी की जीत  
पर ट्रॉप  
- 13



चौथे टी-20  
मुकाबले में  
भारत ने ऑस्ट्रेलिया  
को 48 रनों  
से हराया  
- 14



आज का मौसम  
26.0°  
अधिकतम तापमान  
14.0°  
न्यूनतम तापमान  
सूर्योदय 06.22  
सूर्यस्ति 05.22

मार्गीर्ष कृष्ण पक्ष द्वितीया 11:05 उपरांत तृतीया विक्रम संवत् 2082

# अमृत विचार

| कानपुर |

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार



www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बैंगलोर कानपुर  
गुरुदाबाद अयोध्या हल्द्वानी

शुक्रवार, 7 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 77, पृष्ठ 14 मूल्य 5 रुपये

## पहले चरण में रिकॉर्ड 64.66% मतदान, उप मुख्यमंत्री पर हमला



पटना के बिहारीपुर में एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के लिए कतार में प्रतीक्षा करते मतदाता।

एजेंसी

• डिएमी सीएम विजय सिंहा की कार पर राजद समर्थकों ने चप्पल और पत्तर फेंके चुनाव आयोग बोला सख्त एक्शन लेंगे

पटना/लखीसराय एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को 121 सीट पर मतदान संपन्न हो गया। राज्य के मुख्य निवाचन अधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुरजाल ने बताया कि शाम तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 3.75 करोड़ मतदानों में करीब 64.66 प्रतिशत ने मतदान किया, जो राज्य के इतिहास में सब्वधिक मतदान प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि यह आंकड़ा कुल 45,341

सीएम नीतीश, तेजस्वी, सम्राट चौधरी समेत दिग्गजों ने डाले वोट

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उनके दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिंह, महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव, वीआईपी प्रमुख मुक्तख्य सहनी और कैरोल मंत्री गिरिराज सिंह व राजीव रंजन सिंह 'ललन' सहित कई प्रमुख नेताओं ने अपने मतांशिकार का योग्य विजय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने गुरुनगर बिहारीपुर में मतदान लाभांत्र में वार्षिक उत्सव पर लिखा, 'मतदान लाभांत्र में नागरिकों का अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है।

मतदान केंद्रों में से 41,943 केंद्रों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित है। वहीं, लखीसराय में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिंह ने आरोप लगाया कि मतदान के दिन उनके वाहनों के



काफिले पर मुख्य विषक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के समर्थकों ने हमला किया। ये लोग इलाके में मतदातों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे थे। मामले में मुख्य निवाचन अयुक्त जानेश कुमार ने घटना पर सजान लेते हुए पुलिस महानिवेशक (डीजीपी) को तकाल कर्तव्यांकने के निर्देश दिए।

राज्य के निर्वाचन अधिकारी गुंजायाल ने कहा, यह अनंतिम आंकड़ा है, क्योंकि कुछ मतदान केंद्रों से सूचनाएं अभी आनी बाकी हैं। अंतिम मतदान प्रतिशत के आंकड़े के इससे अधिक रहने की संभावना है। मुख्य निवाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान शांतिपूर्ण और निष्क्रिय माहौल में संपन्न हुआ। कुछ स्थानों पर छिप्पुर घटनाओं के अलावा कहीं से कोई गडबड़ी की सूचना नहीं मिली।

## आरजेडी में सिखाया जाता है 'ए' से अपहरण और 'फ' से फिरौती : मोदी भागलपुर में प्रधानमंत्री बोले- जंगलराज लाने वालों को जनता देगी जवाब

• कहा- इनकी पाठशाला में 'ध' से धाराना और 'प' से परिवारवाद की दीर्घिंग

भागलपुर/अररिया, एजेंसी



टेक्नोलॉजी, टूरिज्म और टेक्सटाइल का हब बनाएंगे हम

बिहार के विकास के लिए गुरुगम सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, हम बिहार को टेक्नोलॉजी, टूरिज्म और टेक्सटाइल का हब बनाना चाहते हैं। हमें रोजाराज सुन के लिए ठोस रेडेंट योग्य किया है और निवेशक बिहार में निवेश को लेकर उसाहित है। उन्होंने कांग्रेस पर छठ महापूर्व का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस के नामदार ने छठ महापूर्व का आमने करते हुए एक बड़ी रुपये की अपमानजनक योजना की जारी की है। कांग्रेस के नामदार ने छठ महापूर्व का आमने करते हुए एक बड़ी रुपये की अपमानजनक योजना की जारी की है।

इंडी ने जांच के तहत इन दोनों क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथपा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अधिनेता सोनू सूद, उवंशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (त्रृणमूल कांग्रेस की पूर्व सासद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अधिनेता) से भी पूछताछ की है। इंडी की जांच से पता चल है कि वन एस्स बीईटी और उसके सरोगेट ब्रांड वन एस्स बीईटी और 'एक्सेस्टेप' के खिलाफ दर्ज की गई क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथपा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अधिनेता सोनू सूद, उवंशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (त्रृणमूल कांग्रेस की पूर्व सासद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अधिनेता) से भी पूछताछ की है।

‘एक्सेस्टेप’ के खिलाफ दर्ज की गई क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथपा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अधिनेता सोनू सूद, उवंशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (त्रृणमूल कांग्रेस की पूर्व सासद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अधिनेता) से भी पूछताछ की है।

‘एक्सेस्टेप’ के खिलाफ दर्ज की गई क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथपा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अधिनेता सोनू सूद, उवंशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (त्रृणमूल कांग्रेस की पूर्व सासद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अधिनेता) से भी पूछताछ की है।

‘एक्सेस्टेप’ के खिलाफ दर्ज की गई क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथपा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अधिनेता सोनू सूद, उवंशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (त्रृणमूल कांग्रेस की पूर्व सासद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अधिनेता) से भी पूछताछ की है।

‘एक्सेस्टेप’ के खिलाफ दर्ज की गई क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथपा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अधिनेता सोनू सूद, उवंशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (त्रृणमूल कांग्रेस की पूर्व सासद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अधिनेता) से भी पूछताछ की है।

‘एक्सेस्टेप’ के खिलाफ दर्ज की गई क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथपा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अधिनेता सोनू सूद, उवंशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (त्रृणमूल कांग्रेस की पूर्व सासद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अधिनेता) से भी पूछताछ की है।

‘एक्सेस्टेप’ के खिलाफ दर्ज की गई क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथपा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अधिनेता सोनू सूद, उवंशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (त्रृणमूल कांग्रेस की पूर्व सासद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अधिनेता) से भी पूछताछ की है।

‘एक्सेस्टेप’ के खिलाफ दर्ज की गई क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथपा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अधिनेता सोनू सूद, उवंशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (त्रृणमूल कांग्रेस की पूर्व सासद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अधिनेता) से भी पूछताछ की है।

‘एक्सेस्टेप’ के खिलाफ दर्ज की गई क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथपा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अधिनेता सोनू सूद, उवंशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (त्रृणमूल कांग्रेस की पूर्व सासद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अधिनेता) से भी पूछताछ की है।

‘एक्सेस्टेप’ के खिलाफ दर्ज की गई क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथपा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अधिनेता सोनू सूद, उवंशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (त्रृणमूल कांग्रेस की पूर्व सासद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अधिनेता) से भी पूछताछ की है।

‘एक्सेस्टेप’ के खिलाफ दर्ज की गई क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथपा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अधिनेता सोनू सूद, उवंशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती (त्रृणमूल कांग्रेस की पूर्व सासद) और अंकुश हाजरा (बंगाली अधिनेता) से भी पूछताछ की है।

‘एक्सेस्टेप’ के खिलाफ दर्ज की गई क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथपा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अधिनेता सोनू सूद, उवंशी रौतेला, मिमी चक्रवर



















# अमृत विचार

# यूट्टेका

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के हसीन जंगल सिर्फ विदेशी

पर्यटकों को ही आकर्षित नहीं कर रहे, बल्कि प्रवासी पक्षी भी अब यहां की आबो-हवा के दीवाने हो चुके हैं। हजारों मील का लंबा सफर तय कर साइबेरिया, मध्य एशिया और यूरोप में ठंड बढ़ने

के साथ यह रंग-बिरंगे

मेहमान (शरदकालीन प्रवासी पक्षी) तराई की गोद में बसे पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत

आसपास की झीलों, नदियों और दलदली क्षेत्रों में नए बसेरे की तलाश में दस्तक दे चुके हैं। इन प्रवासी पक्षियों में कई ऐसे हैं, जिनकी खासियत हर किसी को हैरान कर देने वाली है।

फिलहाल इन सभी ने अपना ठिकाना बनाने के बाद अब पानी में अठर्येलियां और हवा में कलाबाजी कर लोगों में रोमांचित करना शुरू भी कर दिया है।

-सुनील यादव, पीलीभीत

ज्वेल ऑफ तराई कहे जाने वाले पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपनी विशिष्ट जैव विविधिता के दम पर देश-दुनिया में टॉरिज्म अडिकॉन बनता जा रहा है। यहां के भारी-भरकम वाघों के बीच कई अन्य दुर्लभ स्तनधारी वन्यजीव भी हैं, जो शेष यूनिवर्सल वन की श्रेणी में आते हैं। इन सबके बीच पिछले कुछ सालों से मेहमान परिवर्तों को भी पीलीभीत टाइगर रिजर्व की आबो-हवा रास अनें लानी है। टाइगर रिजर्व के आंबोड़ों के मुताबिक यहां पक्षियों की 350 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। पक्षियों के इस अद्भुत संसार में अब दूर-दराज देशों एवं समेत देश के अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में मेहमान परिवर्द्ध भी प्रवास को आने लगे हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक इन प्रवासी पक्षियों की प्रजातियों में धीरे-धीरे इजाफा भी हो रहा है।

प्रवासी पक्षियों पर लंबे समय से रस्टडी करने वाली टरक्वाइज वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन सोसायटी के मुताबिक पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत आसपास क्षेत्र में सात समंदर पार समेत देश के विभिन्न राज्यों से 100 के अधिक प्रवासी पक्षियों की प्रजातियां प्रवास को आती हैं। यह प्रवासी पक्षी साल भर में दो बार अपनी आमद दर्ज करते हैं। प्रवासी पक्षियों की यह आमद मानसून से पहले और मानसून के बाद होती है। पिछले माह ग्रीष्मकालीन प्रवासी पक्षियों की विदाई के साथ शरदकाल प्रवासी पक्षियों के झुंड दस्तक दे चुके हैं। तकरीबन चार से पांच माह के प्रवासी के बाद यह फरवरी के अंतिम दिनों में वर्तन वापसी शुरू कर देते हैं। इसमें बड़ी संख्या में विदेशी पक्षी पक्षियों की विदेशी हाजारों में होती है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे शारदा सागर डैम समेत अन्य झील-पोखरों में प्रवास कर रहे हैं। जंगल से सटे इलाके में 22 किमी लंबे शारदा सागर डैम में इनकी संख्या हाजारों में होती है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में मुख्य रूप से बार हेडे गूज, ग्रेले गूज, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, कालमन पोचार्ड, टफेट डक, लैपिंग, चैट, फ्लाईकचर, कॉमन सैंडपाइप, मालार्ड, नार्दन पिनेटेल आदि प्रमुख शरदकालीन प्रवासी हैं। इसमें वल्वर, इंगल व चैट आदि कुछ दुर्लभ प्रजाति के प्रवासी पक्षी भी शामिल हैं। सोसायटी अध्यक्ष अख्तर मियां खान के मुताबिक शरदकालीन प्रवासी पक्षी संबंधित देशों में बर्फवारी और जलजमाव के चलते यहां अनुकूलन के लिए आते हैं। यहां इनको बहतर हैवीवेट और खास भोजन भी मिल जाता है। इन प्रवासी पक्षियों के अवैध शिकार पर रोकथाम समेत इनकी सुरक्षा को लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन ने शारदा सागर डैम समेत झीलों और अन्य जलाशयों की निगरानी बढ़ा दी है। सोसायटी के मुताबिक ग्रीष्मकालीन प्रवासी पक्षियों के मुकाबले सर्दी में आने वाले प्रवासी पक्षियों की संख्या पीलीभीत टाइगर रिजर्व में ज्यादा होती है। इनमें कुछ प्रवासी पक्षी ऐसे होते हैं, जिनकी खासियत को जानकर एक बारी ही हैरान रह जाएगा।

## अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला आश्वर्यजनक ग्रह

एक ऐसा ग्रह है, जो सूर्य के आवेशित उच्च ऊर्जावान कण यानी हाई चार्ज पार्टिकल में घिरा रहता है। अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला यह ग्रह हमारे सौर मंडल के बाहर है, जो कि सी भी तारे के गुरुत्वाकर्षण में बंधा हुआ नहीं है। वैज्ञानिकों ने हाल ही में इस ग्रह की जानकारियों का स्फुलासा किया है। पृथ्वी के सिर्फ ध्रुवों पर अक्सर सूर्य के आवेशित कणों से रंग-बिरंगी रोशनी से आसमान नहाया हुआ नजर आता है, मगर खोजे गए नए इस ग्रह के अस्तर्यजनक कर देने वाले अन्यथा ग्रह की खोज हुई। आयरलैंड के ड्रिनिटी कॉलेज



प्रकाश वर्ष दूर है। इसके व्यवहार को देख वैज्ञानिकों ने इसे खोजा। यह ग्रह हमसे 20 प्रकाश वर्ष दूर है। इसके व्यवहार को देख वैज्ञानिकों ने इसे खोजा।

ग्रह को दुष्ट प्रकृति का ग्रह माना है। खगोलविदों ने पहली बार वर्ष 2018 में सिंप-0136 को देखा था। ग्रह अध्ययन के बाद इसके ग्रह होने की पुष्टि हुई है, क्योंकि इसका किसी तरों से संबंध नहीं होने के कारण इसकी पहचान नहीं हो परहीं, मगर जेम्स वेब टेलीस्कोप से आश्वर्यजनक कर देने वाले अन्यथा ग्रह की खोज हुई है।

यह ग्रह प्रकाश की विभिन्न तरंग दैर्घ्य विभिन्न वायुमंडलीय विशेषताओं वाला है। इस ग्रह पर भारी मात्रा में चुंबकीय क्षेत्र फैला हुआ है, जिस कारण इसमें ऑरेंज बनते रहते हैं। यह अज्ञान ग्रह है। इस तरह के ग्रह के और ग्रह भी हो सकते हैं। इसकी वास्तविकता का पता चलने के बाद अधिक

चोज का त्रैय डॉ. एर्टर को जाता है, जिनका कहना है कि

यह ग्रह प्रकाश की विभिन्न तरंग दैर्घ्य विभिन्न वायुमंडलीय विशेषताओं वाला है। इस ग्रह पर भारी मात्रा में चुंबकीय क्षेत्र फैला हुआ है, जिस कारण इसमें ऑरेंज बनते रहते हैं। यह अज्ञान ग्रह है। इस तरह के ग्रह का पहली बार पता चला है। ब्रह्मांड में इस ग्रह के और ग्रह भी हो सकते हैं। इसकी वास्तविकता का पता चलने के बाद अधिक

चोज का त्रैय डॉ. एर्टर को जाता है, जिनका कहना है कि

यह ग्रह प्रकाश की विभिन्न तरंग दैर्घ्य विभिन्न वायुमंडलीय विशेषताओं वाला है। इस ग्रह पर भारी मात्रा में चुंबकीय क्षेत्र फैला हुआ है, जिस कारण इसमें ऑरेंज बनते रहते हैं। यह अज्ञान ग्रह है। इस तरह के ग्रह का पहली बार पता चला है। ब्रह्मांड में इस ग्रह के और ग्रह भी हो सकते हैं। इसकी वास्तविकता का पता चलने के बाद अधिक

चोज का त्रैय डॉ. एर्टर को जाता है, जिनका कहना है कि

यह ग्रह प्रकाश की विभिन्न तरंग दैर्घ्य विभिन्न वायुमंडलीय विशेषताओं वाला है। इस ग्रह पर भारी मात्रा में चुंबकीय क्षेत्र फैला हुआ है, जिस कारण इसमें ऑरेंज बनते रहते हैं। यह अज्ञान ग्रह है। इस तरह के ग्रह का पहली बार पता चला है। ब्रह्मांड में इस ग्रह के और ग्रह भी हो सकते हैं। इसकी वास्तविकता का पता चलने के बाद अधिक

चोज का त्रैय डॉ. एर्टर को जाता है, जिनका कहना है कि

यह ग्रह प्रकाश की विभिन्न तरंग दैर्घ्य विभिन्न वायुमंडलीय विशेषताओं वाला है। इस ग्रह पर भारी मात्रा में चुंबकीय क्षेत्र फैला हुआ है, जिस कारण इसमें ऑरेंज बनते रहते हैं। यह अज्ञान ग्रह है। इस तरह के ग्रह का पहली बार पता चला है। ब्रह्मांड में इस ग्रह के और ग्रह भी हो सकते हैं। इसकी वास्तविकता का पता चलने के बाद अधिक

चोज का त्रैय डॉ. एर्टर को जाता है, जिनका कहना है कि

यह ग्रह प्रकाश की विभिन्न तरंग दैर्घ्य विभिन्न वायुमंडलीय विशेषताओं वाला है। इस ग्रह पर भारी मात्रा में चुंबकीय क्षेत्र फैला हुआ है, जिस कारण इसमें ऑरेंज बनते रहते हैं। यह अज्ञान ग्रह है। इस तरह के ग्रह का पहली बार पता चला है। ब्रह्मांड में इस ग्रह के और ग्रह भी हो सकते हैं। इसकी वास्तविकता का पता चलने के बाद अधिक

चोज का त्रैय डॉ. एर्टर को जाता है, जिनका कहना है कि

यह ग्रह प्रकाश की विभिन्न तरंग दैर्घ्य विभिन्न वायुमंडलीय विशेषताओं वाला है। इस ग्रह पर भारी मात्रा में चुंबकीय क्षेत्र फैला हुआ है, जिस कारण इसमें ऑरेंज बनते रहते हैं। यह अज्ञान ग्रह है। इस तरह के ग्रह का पहली बार पता चला है। ब्रह्मांड में इस ग्रह के और ग्रह भी हो सकते हैं। इसकी वास्तविकता का पता चलने के बाद अधिक

चोज का त्रैय डॉ. एर्टर को जाता है, जिनका कहना है कि

यह ग्रह प्रकाश की विभिन्न तरंग दैर्घ्य विभिन्न वायुमंडलीय विशेषताओं वाला है। इस ग्रह पर भारी मात्रा में चुंबकीय क्षेत्र फैला हुआ है, जिस कारण इसमें ऑरेंज बनते रहते हैं। यह अज्ञान ग्रह है। इस तरह के ग्रह का पहली बार पता चला है। ब्रह्मांड में इस ग्रह के और ग्रह भी हो सकते हैं। इसकी वास्तविकता का पता चलने के बाद अधिक

चोज का त्रैय डॉ. एर्टर को जाता है, जिनका कहना है कि

यह ग्रह प्रकाश की विभिन्न तरंग दैर्घ्य विभिन्न वायुमंडलीय विशेषताओं वाला है। इस ग्रह पर भारी मात्रा में चुंबकीय क्षेत्र फैला हुआ है, जिस कारण इसमें ऑरेंज बनते रहते हैं। यह अज्ञान ग्रह है। इस तरह के ग्रह का पहली बार पता चला है। ब्रह्मांड में इस





